Recommendation of Task Force on Stagnation of Steel Production

1723. DR. SANJAYA SINH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the Task Force set up by the "Centre" to look into the stagnation of steel production in the country has recommended that the country's steel production be stepped up to 8.33 per cent from the current 6 per cent;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what steps Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) to (c) Government has set up a Task Force for preparing an action plan for the growth of Indian Iron and Steel Industry over the next 20 years. The report is likely to be submitted shortly. Details of recommendations of the Task Force and action to be taken thereon will be known only thereafter.

"काल टू मेक इंडियन स्टील कांम्पिटीटिव" शीर्षक का समाचार

1724. **श्री कैलाश नारायण सारंग :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 16 जून, 1992 "फाइनेंशियल एक्सप्रेस" में "कॉल टु मेक इंडियन स्टील कॉम्पिटीटिव" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में इस्पात का निर्माण करने वाली इकाइयों से अनुरोध किया गया है कि व उत्पादन लागत को कम करें;

(ग) क्या यह भी सच है कि विश्व के जापान, चीन और अमरीका जैसे अन्य देशों में इस्पात की उत्पादन लागत बहुत कम है; और

(घ) यदि हां, तो हमारे देश में आने वाली प्रति टन इस्पात उत्पादन की लागत की तुलना में उन देशों में प्रति टन इस्पात के उत्पादन की अनुमानित लागत कितनी है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) अत्यधिक किफायती लागत पर इस्पात का उत्पादन एक सतत प्रक्रिया है और इस दिशा में प्रबोधन और उत्पादन-लागत कम करने के लिए सतत् प्रयास आवश्यक है।

(ग) और (घ) अन्य देशों के इस्पात की उत्पादन लागत के संबंध में कोई प्रामाणिक और तुलनात्मक सूचना उपलब्ध नहीं है।

Setting up of Ancillary Factories near Bokaro Steel Plant

1725. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to set up some ancillary factories near the Bokaro Steel Plant;

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor;

(c) whether necessary materials required in the Bokaro Steel Plant are purchased in the open market; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) The Cenrtal Government have no proposal to set up ancillary units near Bokaro Steel Plant. In the setting up of such units, entrepreneurs are, however, provided with necessary assistance by Bokaro Steel Plant and Bokaro Industrial Area Development Authority.

(c) and (d) Only those materials like Raw Materials, Lubricants, Refractories, Petroleum Products, Conveyor Belts, Rolls, Pipes, Bearings and other miscellaneous items which are required but cannot be procured from small scale industrial units located in Bokaro Industrial Area Development Authority are being purchased from the open market through established procedures of tendering.

Shortage of raw material in Mini Steel Plants

1726. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of small or mini-steel plants are facing a severe shortage of raw material;

(b) if so, what are the directions given to SAIL to meet their demand;

(c) whether any survey has been conducted regarding requirements of the mini-steel sector; and

(d) if so, the steps being taken to enhance capacity utilisation of the mini-steel sector?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) The basic raw material for mini-steel plants (electric furnaces) is carbon steel melting scrap. Indigenous availability of scrap is not enough to fully meet the requirements of the mini-steel plants. However, scrap is now freely importable on Open General Licence. Duty on imported scrap has been reduced from 35 percent to 10 percent to facilitate imports. Indigenous production of sponge iron which is a partial substitute for scrap is also increasing.

(b) The bulk of the steel melting scrap produced in SAIL plants is reused for production of steel in the plants themselves.

(c) According to a recent study by Metallurgical & Engineering Consultants India Ltd., the total annual requirement of scrap/sponge iron of the mini-steel plants is currently about 6 million tonnes.

(d) Increased availability of imported scrap and higher production of sponge iron will enhance capacity utilisation in the mini-steel sector.

बोकारो इस्पात संयंत्र में भ्रष्टाचार

1727. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार बोकारो इस्पात संयंत्र में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार और वहां हो रहे लगातार घाटे की जांच के लिए कोई दल भेजने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो कब तक; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच और अन्वेषण करने तथा उनकी छानबीन और उन पर कार्यवाही करने के लिए स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड में नियमित सतर्कता तथा सरकारी स्तर की अन्य एजेंसियों के रूप में पर्याप्त प्रशासकीय और सतर्कता मशीनरी विद्यमान है । भ्रष्टाचार के किसी आरोप की जांच करने के लिए सरकार द्वारा कोई दल भेजने की कोई स्थिति अथवा परिस्थिति सामने नहीं आई है । तथापि, इस संबंध में सतत् और नियमित सतर्कता बनाई रखी जाती है ।

बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा उत्पादन

1728 **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने विभिन्न किस्म के लोहे का श्रेणीवार कुल कितना-कितना उत्पादन किया; और